देश के विकास के लिए जरूरी है गाँवों का सर्वांगीण विकास – चौटाला

आबू रोड । हमारा देश तेजी से विकास कर रहा है। भारत में आज भी ७० प्रतिशत लोग गाँवों में रहते हैं । गाँवों के सर्वांगिण विकास से ही देश का विकास सम्भव होगा। इसलिए हमें गाँव की मूलभूत सुविधाओं और विकास पर ध्यान देना होगा। उक्त उद्गार राज्य सभा सदस्य तथा इंडियन टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में ग्रामविकास प्रभाग द्वारा आयोजित सम्पूर्ण ग्राम विकास आध्यात्मिक महासम्मेलन में देशभर से आये हजारों कृषि से जुडे लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश हैं जब तक हम कृषि और गाँवों के विकास पर ध्यान नहीं देंगे तब तक ना तो गाँवों का विकास होगा और ना तो देश का। ऐसा नहीं है कि केवल गाँवों में आधुनिक सुविधायें दे दी जाये और उसे विकास का स्तर मान लिया जाये। इसके लिए ग्रामीणों में आपसी सद्भाव , जागृति, कुरीतियों के प्रति सजगता प्रमुख है। आज भी गाँवों मेंरूढिवादिता अपनी चरम पर दिखायी देती हैं। इससे हमें ऊपर उठना होगा। ब्रह्माकुमारीज संस्थान इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

शांतिवन। गाँवों के सर्वांगिण विकास पर अजय सिंह चौटाला अपने विचार व्यक्त करते हुए मंच पर दादीजानकी ब्र. कु.सरला ,दादी रत्न मोहिनी तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि भारत देश की महिमा स्वर्णिम देश के रूप में जानी जाती है। श्रीकृष्ण को भी गाँवों का ही माना जाता है। इसलिए हम सभी को मिलकर एक ऐसी मुहिम छेडनी चाहिए जिससे गाँवों में फैली कुरीतियां, बुराइयां और अंधविश्वास समाप्त हो और लोगों का सर्वांगिण विकास हो सके। आज भी गाँवों मे जात-पात का नासूर फैला हुआ है। गुणों और सद्भावना के साथ मूल्यों को विकसित कर एक श्रेष्ठ समाज की स्थापना में सहायक हो सके।

पुणे से आये विधानसभा सदस्य विनायक निमन ने कहा कि आज भी भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। जिसका विकास अति आवश्यक है। भौतिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास भी जरूरी है जिससे एक सुन्दर और सभ्य गाँवों का भी निर्माण हो सके। संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन-मोहिनी ने कहा कि हमारा भारत सोने की चिडिया था और पुन: भारत को ऐसा बनाने का प्रयास करना है। परमात्मा द्वारा दिये जा रहे ज्ञान और योग को अपने जीवन में शामिल कर लें तो जीवन में श्रेष्ठ मूल्यों का समावेश होगा।

रशिया के 'डिवाइन लाईट कल्चर ग्रुप' ने दिया विविधता में एकता का संदेश

चंडीगढ़। रशिया के डिवाइन लाईट कल्चर ग्रुप के कलाकारों द्वारा चंडीगढ़ के सेक्टर - 18 में स्थित टैगोर थियेटर में परमात्म संदेश देने के उद्देश्य से 'विविधता में एकता' विषय पर आध्यात्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए रशिया के सेंट पीटरसवर्ग में सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु.संतोष ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्था विश्व को एकता के सूत्र में पिरोकर सुखमय सृष्टि की स्थापना करने के लिए प्रयासरत है। जब हम दुनिया को अलग-अलग संस्कृतियों, राष्ट्रों, एतिहासिक व भौगोलिक परिस्थितियों में देखेंगे तो इस तरह की विविधता में एकता लाना मात्र एक स्वपन जैसा प्रतीत होगा। यदि हम भौतिकता से ऊपर उठ जाएं और हरेक मनुष्य को चाहे वह किसी भी संस्कृति या किसी भी धर्म का हो, उसको आध्यात्मिक स्वरूप में देखेंगे तो यह सिद्धांत 'हम एक हैं और एक ईश्वर के हैं' की अनुभूति कर सकेंगे। तभी हम एक-दूसरे को खुशी, प्यार, शांति व आनंद दे सकेंगे। इस तरह की भावना लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य करती है। जिससे आपसी समंजस्य की भावना बढ़ती है। उन्होंने कहा कि विश्व में भिन्न-भिन्न संस्कृतियों को जोड़ने के लिए संस्था ने रशिया में 'डिवाईन लाईट कल्चर ग्रुप' बनाया जो अपने संगीत, गीत व नृत्य व स्कीटस के माध्यम से विविधता में एकता का संदेश देने का कार्य कर रही है। यह सभी कलाकार हर साल भारत आते हैं तथा अलग-अलग स्थानों पर जाकर 'स्वर्णिम सतयुगी संसार' के लिए आध्यात्मिक चेतना लाने का कार्य करते हैं। इस ग्रुप के द्वारा अलग-अलग सांस्कृतिक, धार्मिक व आर्थिक पृष्ठभूमि से सम्बन्धित लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने के स्वपन को साकार किया जा रहा है।क्षेत्रीए निदेशक ब्र.कु.अमीरचंद ने कहा कि कला एवं संस्कृति एक दूसरे को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। इससे एक देश से दूसरे देश स्वत: ही जुड़ जाते हैं। 'डिवाइन लाईट कल्चर ग्रुप' के मशहूर रॉक सिंगर अलबर्ट असादूलीन ने - है प्रीत जहां की रीत सदा मैं गीत वहां के गाता हूँ, भारत का रहने वाला हूँ.. भारत की बात सुनाता हूँ..., ये देश है वीर जवानों का... गीत गाकर भारत के गौरवमय इतिहास की झलक प्रस्तुत की। जिसे देखकर लोग भाव-विभोर हो गये। भारतीय परिधान पहने रूसी भाई-बहनों द्वारा हिन्दी व पंजाबी गीत प्रस्तुत करके सबके दिलों पर रूस व भारत की मित्रता व प्यार की अमिट छाप छोड़ी । इस कार्यक्रम में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश ए.एन.जिंदल, जस्टिस राजन गुप्ता, जस्टिस एम.एम.एस.बेदी, पंजाब के वित्त सचिव टी.आर.सारंगल, हरियाणा के वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी श्रवण सिंह, पंजाबी फिल्म अभिनेता मेहर मित्तल, सचिव एम.पी.सिंह, हरियाणा के एडवोकेट जनरल एच.एस.हुड्डा, पंजाब के मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार पी.मत्तेवाल, क्षेत्रीए संचालिका ब्र.कु.अचल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

चंडीगढ़। विविधता में एकता' विषय पर आध्यात्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. अचल दीदा ब्र.कु.अमीरचंद,रशिया की ब्र.कु. संतोष तथा अन्य । नृत्य प्रस्तुत करते रशिया के कलाकार।

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश – 2000 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

ओम् शान्ति मीडि
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।